No 1291



श्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II--वण्ड 3--इवलण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

पाधिकात ने प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

र्गेण १२५] वर्ष विस्ति, बृहण्यक्तिवारः मार्च २, ३४,२ फल्पर । १८६०

المواهدين الدواج الوجه المواجه الله المواجه المواجه المواجه المواجه المواجه المواجه المواجه المواجه المواجه ال المحلوم المواجه المواجه المواجه المواجه المواجه المواجعة المواجعة المواجهة المواجه المواجهة المواجهة المواجهة

डस भाग में भिन्न पुष्ठ सरया दी जाती है जिसमे ि यह ग्रन्था सबस्य के हुए ने एखा कर करें।

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 2, 1972 PHALGUNA 12, 1893

F 2222

Separate paging is given to thus Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Deini, the 2nd March 1972

S.O. 173(E)/IDRA/19/72/1.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 19 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby authorizes the following officers, to exercise the powers specified in clauses (a), (b) and (c) of the said subjection in so for as they relate to the industrial undertaking, known as, Sirsilk Limited, Sirpur, Andhra Pradesh, for the purposes of ascertaining the position and working of the said industrial undertaking namely

- Shit A. Seeth tramial, Sentor Industry the Advission Director its General of Technical Development, New Dethi.
- 2 Shri S C Baina, Regional Director Company Vaw Board, Madras
- 3 Shri S Silbha Fao Senior Cost Accounts Officer Ministry of Finance, New Delhi

[No. F. 13/33)/Lic. Pol 70.1

S K SAHGAL ! Sery

श्रीचोगिक विकास मन्नालय

ग्राहेश

नई दिल्ली, 2 मार्च, 1972

का० आ० 173 (अ)/आई०डी०आए०१०/10/72/1.—-श्रीद्योगिक (विकास सौर विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 19को उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निम्नलिखित अधिकारियो को, उक्त उप-धारा के खण्ड (क), (ख) श्रीर (ग) मे विनिर्दिष्ट शिक्तियो का, तिरसि क लिमिटेड, सिरपुर, श्रांध्र प्रदेश नामक श्रीद्योगिक स्थापन के सबंध में, उक्त श्रीद्योगिक उपक्रम के कार्य करण श्रीर स्थित का पता लगाने के प्रयोजन के लिए प्रयोग करने का प्राधिक्षन करनी है, श्रयीत ——

- श्री ए० सीथारामिया, ज्येष्ठ अत्योगिक सलाहकार, तकनीकी विकास महानिदेणालय, नई दिल्ली।
 - श्री एस०सी० बफना, प्रादेशिक निदेशक, कम्पनी विधि बोर्ड, मद्रास ।
- श्री एस० सुभाराव,
 ज्येष्ठ लागत लेखा श्रिधिकारी,
 वित्त मन्नालय,
 नई दिल्ली ।

[स॰ ा॰ 13(33)/लाई॰ पो॰/70] एस॰ के॰ भहगल, सयुक्त सचिव।